पाठ 21

माँ! कह एक कहानी

आइए सीखें - ■करुणा, न्याय, सेवा और अहिंसा जीवन मूल्यों की प्रेरणा। ■कविता के भाव सौन्दर्य को समझना। ■संवाद शैली, गीतात्मकता एवं मार्मिक अभिव्यंजना को समझना।■कविता में प्रयुक्त विलोम शब्द, समानार्थी शब्द तथा तत्सम शब्दों के प्रयोग।

माँ! ''कह एक कहानी।
राजा था या रानी।''
माँ! ''कह एक कहानी।''

''तू है हठी मान धन मेरे,
सुन उपवन में बड़े सबेरे,
तात्, भ्रमण करते थे तेरे,

जहाँ सुरभि मनमानी!''
''जहाँ सुरभि मनमानी,''
हाँ! माँ, यही कहानी॥

''वर्ण-वर्ण के फूल खिले थे,
झलमलकर हिम-बिन्दु झिले थे,
हलके झोंके हिले-मिले थे,

लहराता था पानी।''
''लहराता था पानी!
'हाँ, हाँ' यही कहानी॥''

''गाते थे खग कल-कल स्वर से,
सहसा एक हंस ऊपर से,

शिक्षण संकेत - ■शिक्षक बाल मनोभावों को समझते हुए उनकी सहज जिज्ञासा एवं अभिव्यक्ति उभारने का प्रयास कीजिए। ■बच्चों के सहयोग से उन्हीं के जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का समाधान कीजिए। ■माँ के ममत्व और वात्सल्य भाव की चर्चा से दादा-दादी, नाना-नानी द्वारा कहानी कहने और सुनने की ललक पैदा कीजिए। ■कविता का हाव-भाव व लय के साथ अभिनयात्मक ढंग से पाठ कराइए।

गिरा बिद्ध होकर खग-शर से,
हुई पक्ष की हानी।''
''हुई पक्ष की हानी।
करुणा भरी कहानी॥

''चौंक उन्होंने उसे उठाया,
नया जन्म-सा उसने पाया,
इतने में आखेटक आया,
लक्ष्य सिद्धि का मानी।''
''लक्ष्य सिद्धि का मानी।
कोमल कठिन कहानी।''

''माँगा उसने आहत पक्षी,
तेरे तात् किन्तु थे रक्षी,
तब उसने जो था खग भक्षी,
हठ करने की ठानी।''
''हठ करने की ठानी।
अब बढ़चली कहानी॥''

''हुआ विवाद सदय निर्दय में,
उभय आग्रही थे स्व विषय में,
गई बात तब न्यायालय में,
सुनी सभी ने जानी।''
''सुनी सभी ने जानी।
व्यापक हुई कहानी॥''

''राहुल तू निर्णय कर इसका,
न्याय पक्ष लेता है किसका,
कह दे निर्भय जय हो जिसका,

सुन लूँ तेरी बानी।"
"सुन लूँ तेरी बानी।
माँ मेरी क्या बानी॥"
"कोई निरपराध को मारे,
तो क्यों अन्य न उसे उबारे,
रक्षक को भक्षक पर वारे,
न्याय दया का दानी।"
"न्याय दया का दानी।
तू ने गुनी कहानी॥"

मैथिलीशरण गुप्त

श्री मैथिलीशरण गुप्त का जन्म 1886 में चिरगाँव जिला झाँसी में हुआ था इनको राष्ट्रकवि की उपाधि से सम्मानित किया गया। इनकी कविताओं में देशभक्ति एवं सामाजिक न्याय की आवाज को विशेष स्थान मिला है। 'द्वापर', 'साकेत', 'भारत-भारती', 'यशोधरा' आदि इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखिए -

हठी	-	उबारे	-	मानधन	-
उपवन	-	तात्	-	सुरभि	-
हिम बिन्दु	-	आखेटक	-	बिद्ध	-
शर	-	पक्ष	-	आहत	-
रक्षी	-	खग	-	उभय	-
व्यापक	-	सदय	-	निर्दय	-
निर्भय	-	निरपराध	-	आग्रही	-

अभ्यास

बोध प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) पुत्र अपनी माँ से किस बात की हठ कर रहा है?

(ख) बड़े सबेरे उपवन में कौन भ्रमण कर रहा था?

(ग) उपवन में सहसा हंस नीचे क्यों गिरा?

(घ) राजा और आखेटक के बीच क्या विवाद हुआ?

(ङ.) माँ ने राहुल से किस विवाद का निर्णय करने को कहा?

(च) सदा किसकी विजयी होती है?

प्रश्न 2. निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा कीजिए -

(क) वर्ण-वर्ण के फूल खिले थे

....

....

लहराता था पानी।

(ख) कोई निरपराध को मारे

....

....

न्याय दया का दानी।

प्रश्न 3. निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) हुई पक्ष की हानी

(ख) जहाँ सुरभि मनमानी

(ग) लक्ष्य सिद्धि का मानी

(घ) न्याय दया का दानी

प्रश्न 4. किसने किससे कहा -

(क) "माँ! कह एक कहानी।"

(ख) "तू है हठी मान धन मेरे।"

(ग) "लक्ष्य सिद्धि का मानी
कोमल कठिन कहानी।"

(घ) "सुन लूँ तेरी बानी।"

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1. **'मान' शब्द में 'ई' प्रत्यय लगाकर 'मानी' शब्द बना है। इसी तरह 'ई' प्रत्यय लगाकर निम्नलिखित शब्दों से नए शब्द बनाइए -**

दान	....	ठान	....	डाल	....	पान	....
ज्ञान	....	भार	....	ध्यान	....	ताल	....

> **ध्यान दीजिए**
>
> रक्षक - भक्षक दयालु - निर्दय अपराधी - निरपराध
>
> इन शब्द-युग्मों में एक शब्द दूसरे के विलोम है। जब दो शब्द एक-दूसरे के विपरीत अर्थ देते हैं, तब वे एक दूसरे के विलोम या विपरीत अर्थ वाले शब्द कहलाते हैं।

प्रश्न 2. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-**
राजा, न्याय, मान, जन्म, कोमल

प्रश्न 3. **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-**
उपवन, पानी, खग, शर

प्रश्न 4. **निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए-**
वानी, सूरज, घी, कान, हाथ, जीभ

योग्यता विस्तार

1. इस कविता को कहानी में बदलकर लिखिए। 2. कविता का नाट्य रुपांतर कर उसका अभिनय कीजिए।

व्य में कभी-कभी एक शब्द की दो या अधिक बार आवृत्ति होती और उसके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं। कभी ऐसा भी होता है कि एक शब्द एक ही बार प्रयुक्त होता है किन्तु अर्थ अनेक होते हैं। निम्नलिखित उदाहरण ध्यान से पढ़िए -

(क) कनक कनक ते सौ-गुनी, मादकता अधिकाय। या खाये बौरात जग, बा पाये बौराय॥

इसमें **कनक** शब्द दो बार आया है और इसके अर्थ भी अलग-अलग हैं -

कनक - धतूरा, कनक - सोना

(ख) पानी गए न ऊबरे मोती मानस चून

इसमें **पानी** शब्द एक ही बार प्रयुक्त हुआ है किन्तु अर्थ अलग-अलग दे रहा है -

पानी - चमक, पानी - इज्जत, पानी - पानी (जल)

अब जानिए -

जहाँ एक शब्द एक से अधिक बार आए किन्तु उसका अर्थ अलग हो,वहाँ **यमक अलंकार** होता है जैसे - (क) में दिए गए उदाहरण में।

जहाँ एक शब्द एक ही बार प्रयुक्त हो, किन्तु अर्थ अनेक देता है, वहाँ **श्लेष अलंकार** होता है जैसे - (ख) में दिए गए उदाहरण में।

माँ का आँचल शीतल जल का सागर है।